हिंदी व्याकरण वाच्य

हिन्दी व्याकरण

वाच्य

■ वाच्य - किया के जिस रूप से यह जाना जाए कि वाक्य में क्रिया का मुख्य संबंध कर्ता,

कर्म या भाव से है, वह वाच्य कहलाता है।

■ वाच्य के भेद
(i) कृर्तवाच्य
(ii) कर्मवाच्य
(iii) भाववाच्य

■ कृर्तवाच्य
क्रिया के उस रुपान्तर को कृर्तवाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में कर्ता की प्रधानता का बोध हो।

उदाहरण के लिए - मोहन केला खाता है

अजय पुस्तक पढ़ता है।

■ कर्मवाच्य

क्रिया के उस रुपान्तर को कर्मवाच्य कहते है, जिससे वाक्य में कर्म की प्रधानता का बोध हो।

जैसे - कवियों द्वारा कविताएँ लिखी गई।

🔹 Trick द्वारा

■ भाववाच्य

क्रिया के उस रूपान्तर को भाववाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में क्रिया अथवा भाव की प्रधानता का बोध है।
उदाहरण के लिए - श्याम से दहला भी नही जाता।
मुझसे उठा नहीं जाता।
धूप में चला नहीं जाता।

- Trick - नही

1. जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता हो ? कहलाता है।
A. भाववाच्य B. कर्तृवाच्य C.कर्मवाच्य D. अन्य

2.जिस वावय में कर्ता की प्रधानता हो? कहलाता है।
A. भाववाच्य B.कर्तृवाच्य C. कर्मवाच्य D. अन्य

3. जिस वाक्य में भाव की प्रधानता हो? कहलाता है।
A. भाववाच्य B.कर्तृवाच्य C. कर्मवाच्य D. अन्य

4. निम्न वाक्य का वाच्य बताइए - 'अब मुझसे चला नहीं जाता।
A.भाववाच्य B. कर्तृवाच्य C. कर्मवाच्य D. अन्य

5. भाववाच्य वाला वाक्य इनमें से कौनसा है?
A. मालती खाना खाती है B. रमेश खाना खा सकता है।
C. हिमेश से दौडा नही जाता D. रक्षा दौड़ नहीं सकती